भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंवि अहम

राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन अभिमन्यु ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हकेंविवि में नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

वित्तमंत्री का शॉल ओढ़ाकर स्वागत करते हुए कुलपति।

विद्या ददाति विनयम्, विनयाद्याति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। उन्होंने शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वो दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर उन्हें भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विश्वविद्यालय की अहम भूमिका होगी। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का ए ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्तूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से संसाधनों की आपसी सांझेदारी के लिए सहमत हुए हैं। दो दिवसीय इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने कुछ प्रोजेक्ट भी प्रस्तुत किए। संस्कृत में दिए गए उनके इस ज्ञापन ने सबका मनमोह लिया। इसके बाद शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका ने 15 व 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर आदि रहे।

सेमिनार | हरियाणा के वित्त मंत्री कै. अभिमन्यु ने बरगद के पेड़ से की विश्वविद्यालय की तुलना, बोले

भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंवि की भूमिका अहम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्या ददाति विनयम, विनयाद् याति पात्रताम... संस्कृति के इस सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विवि में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत की विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने की बात कही, अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

विवि के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पं. मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में कैप्टन अभिमन्यु मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान फिर दिला सकती है।

उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर मुझे भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विवि की अहम भूमिका होगी। कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में यहां काम कर रहे शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी दिन-प्रतिदिन विवि-रूपी इस बरगद के वृक्ष की भिन्न-भिन्न शाखा बनकर इसे मजबूत बना रहे हैं। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को. हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया।

स्वागत भाषण में विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। कुलपति ने बताया कि यह विवि अपने नवप्रवर्तन, अनुसंधान व सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है। चाहे हवा से चलने वाली कार के निर्माण की बात हो या फिर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, उन्नत भारत अभियान व वित्तीय साक्षरता अभियान की सफलता हो। उन्होंने विवि की प्रगति का जिक्र

महेंद्रगढ़. राष्ट्रीय गान के वक्त खड़े मंचासीन मुख्यातिथि, कुलपति व अन्य।

करते हुए बताया कि इसी साल विवि को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्टूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं।

महेंद्रगढ़. शाल ओढ़ाकर मुख्यातिथि वित्त मंत्री का स्वागत करते विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर डाला प्रकाश

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका। प्रोफेसर दहिया ने शिक्षा के स्तर में बदलाव के लिए आपसी संवाद के महत्त्व पर जोर दिया और हकेंवि के इस प्रयास की सराहना की। इस मौके पर स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रोफेसर रणवीर सिंह, शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विवि कुलसचिव रामदत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार व प्रो. नवल किशोर आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

देश को विश्वगुरु बनाने में हविकें की होगी भूमिका

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : विद्या ददाति विनयम्, विनयाति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ वित्त मंत्री कै. अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। वे विश्वविद्यालय में गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित हुए। उन्होंने शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने का आह्वान किया बल्कि सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पं.मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में वित्त मंत्री ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर इसके प्रति चिंता व्यक्त करते हैं। इससे स्पष्ट

नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ● जागरण

होता है कि वे शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कितने गंभीर हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन भी किया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवप्रवर्तन, अनुसंधान व सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।उन्होंने बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्टूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के जरिए संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं।

विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने प्रदेश में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका। उन्होने शिक्षा के स्तर में बदलाव के लिए आपसी संवाद के महत्व पर जोर दिया और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इस प्रयास की खूब सराहना की। स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रोफेसर रणवीर सिंह ने संस्कृत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंविवि की अहम भूमिका: कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

वित्त मंत्री ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को हर संभव मदद का दिया आश्वासन

विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ

स्वागत भाषण में हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भारत अभियान व वित्तीय साक्षरता अभियान की सफलता हो। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्तूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में दीप प्रज्जवलित करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

अंग्रेजों के चलते शिक्षा का विकास नहीं हो सका

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विवि कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका। धन्यवाद ज्ञापन स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रो. रणवीर सिंह ने किया।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में नवनिर्मि कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु साथ में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो : हरिभूमि

विद्या ददाति विनयम, विनयाददाति पात्रताम। संस्कृत सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विवि में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

कैप्टन अभिमन्यु ने संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा। अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वो दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर इस बात के प्रति चिंता व्यक्त करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वे शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कितने गंभीर हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर उन्हें भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विश्वविद्यालय की अहम भूमिका होगी। कैप्टन अभिमन्यु ने इस विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कर्मठ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में यहां काम कर रहे शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी दिन-प्रतिदिन विश्वविद्यालय-रूपी इस बरगद के वृक्ष की भिन्न - भिन्न शाखा बनकर इसे मजबूत बना रहे हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया। इस दौरान शिक्षा विभाग की प्रमुख डा. सारिका ने 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम का रूपरखा प्रस्तुत का। कार्यक्रम म नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, जिला अध्यक्ष तीरंदाजी संघ विक्रम डुलाना, प्रो. नवल किशोर आदि उपस्थित थे।

भारत को विश्वगुरु बनाने में ह.कें.वि. की अहम भूमिका : अभिमन्यु

» विश्वविद्यालय पहुंचे वित्त मंत्री ने बरगद के पेड़ से की विश्वविद्यालय की तुलना

» कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ को दिया हर संभव मदद का आश्वासन

महेंद्रगढ़, 15 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): विद्या ददाति विनयम, विनयाद्याति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए।

इस अवसर पर कैप्टन अभिमन्यु ने इस संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा अपितु सूचना तकनीक और

नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते कैप्टन अभिमन्यु व कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमीनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा 3 पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। कैप्टन अभिमन्यु ने इस विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई।

2 दिवसीय इस सैमीनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्टातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया और हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका।

इस मौके पर धन्यवाद ज्ञापन स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रोफैसर रणवीर सिंह ने दिया। संस्कृत में दिए गए उनके इस ज्ञापन ने सबका मनमोह लिया। इसके पश्चात शिक्षा विभाग की प्रमुख डा. सारिका ने 15 व 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।